

भाजपा सुनियोजित तरीके से गंभीरता से युवा नेताओं का “ग्रुप” तैयार कर रही है

इस “ग्रुप” के नेता आगामी बीस साल तक पार्टी को नेतृत्व प्रदान करेंगे, 2047 के लिए निश्चित “रोड मैप” का अनुसरण करते हुए, लक्ष्य तक पहुँचाएंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 1 जनवरी। भाजपा का आमूलचूल बदलाव, जो 2025 में शुरू हुआ था, इस वर्ष उसके गति पकड़ने की संभावना है। यह नेतृत्व में एक विद्रोगत बदलाव का संकेत है।

अन्य राजनीतिक दलों के विपरीत, भाजपा रणनीतिक रूप से जनरेशन ज़ैड और मिलेनियल्स को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए काम कर रही है। ज्ञातव्य है कि इन वर्गों के बीच हाल ही में बढ़ते हुए असंतोष की घटनाएं सामने आई हैं। 15 अगस्त 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में 1,00,000 ऐसे युवाओं को राजनीति में लाने की बात कही थी, जिनका पहले कोई राजनीतिक जुड़ाव नहीं रहा। पिछले साल जनवरी

- इस दृष्टि से मकर सक्रांति के बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल में युवा चेहरों पर फोकस होगा।
- इसी प्रकार नव चयनित पेंतालीस वर्षीय पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन जब अगले माह अपनी जिम्मेवारी संभालेंगे और अपने पदाधिकारियों की नई टीम गठित करेंगे, पार्टी के कई महासचिव व सचिव व अन्य पदाधिकारियों की जगह युवा नेताओं को स्थान दिया जाएगा।
- राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या बढ़ेगी, बिहार, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में पार्टी को मिली सफलता के कारण। इस बार राज्यसभा में 37 सीटें, अप्रैल में खाली हो जाएंगी, पुराने सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के कारण। इन रिटायर हो रहे सदस्यों में भाजपा के 9 सांसद भी हैं। भाजपा के अब पहले से ज्यादा सदस्य चुने जाएंगे, राज्यसभा के सदस्य के रूप में। नये सदस्यों के चयन में भाजपा पुनः युवा नेताओं को मौका देगी।

में, विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद की शुरुआत की गई थी तथा प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया था।

जब नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष

नितिन नबीन अपनी टीम का गठन करेंगे, तब राष्ट्रीय संगठन में नये और युवा चेहरों को शामिल किये जाने की संभावना है। कई वरिष्ठ महासचिवों और सचिवों के स्थान पर युवा नेताओं को लाया जा

सकता है। नबीन को फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शराब के नशे में तेज वाहन चलाते हुए इन घायलों में से एक की मौत हो गई व 50 की हालत गंभीर है।

बढ़ोतरी दर्ज की गई। देर रात तक घायलों का सिलसिला चलता रहा और ट्रामा सेंटर पूरी तरह व्यस्त रहा।

एसएमएस ट्रामा सेंटर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि बीते 24 घंटों में कुल 299 घायल इलाज के लिए आए गए। इनमें से एक घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि 50 घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। शेष 249 घायलों को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘सबको अपने घर में मातृ-भाषा बोलनी चाहिए’

मोहन भागवत ने छत्तीसगढ़ में हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, देश में सामाजिक समरसता से ही भारत की पहचान है

- भागवत ने अनुसार, अगर कोई किसी अन्य प्रदेश में रहता है तो उसको उस प्रदेश की भाषा भी सीखनी चाहिए। क्योंकि सभी भाषाएं, राष्ट्रीय भाषाएं हैं और सबका बराबर महत्व है।
- भाजपा के कई नेताओं ने भागवत के भाषण को सही बताया और समर्थन किया।
- पर, विपक्ष ने कटाक्ष किया कि भागवत किस राजनीतिक पार्टी के सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भाजपा तो उनकी इस सोच का अनुसरण नहीं करती और न ही उनके इस उदार सोच से प्रेरणा लेती है।

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली 1 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को देशभर में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का आह्वान किया और लोगों से भाषा, जाति और संपत्ति के विभाजन से ऊपर उठने की अपील की। भागवत के अनुसार, लोगों को घर पर अपनी मातृभाषा बोलनी चाहिए और साथ ही यह भी कहा कि सभी भाषाओं का समान महत्व है।

भागवत के ये बयान क्षेत्रीय दलों, खासकर दक्षिण भारतीय दलों द्वारा लगाए गए इन आरोपों के बीच आए हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार “क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रही है।” भागवत के बयान उस समय आए हैं, जब त्रिपुरा के एक छात्र एंजेल चक्रमा की देहरादून में कथित नस्ली उत्पीड़न के बाद हुई हत्या के बाद देश भर में नाराजगी बढ़ रही है। सार्वजनिक आक्रोश के बीच, भागवत ने दोहराया कि पूरा देश सभी का है और सौहार्द भारत की पहचान है। भागवत ने कहा, “कम से कम

हमारे घरों के अंदर हमें अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। यदि आप किसी अन्य राज्य या क्षेत्र में रहते हैं, तो आपको उस राज्य या क्षेत्र की भाषा सीखनी चाहिए, क्योंकि सभी भाषाएँ भारत की राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। उनका सभी का समान महत्व है,” भागवत छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के सोनपैरी गाँव में आयोजित “हिंदू सम्मेलन” को संबोधित कर रहे थे। कई भाजपा नेताओं ने आर.एस.एस. प्रमुख के इन बयानों की सराहना की तथा कहा कि उनके संदेश ने “भारतीय पहचान की सबको साथ लेकर चलने की प्रकृति को रेखांकित किया।”

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भागवत ने सही भावना में बात की है। पाठक बोले “उन्होंने सही कहा है। वे लगातार सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं, लोगों को एकजुट करते हैं, और हम सभी एक ऐसे तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, जो भारत की संस्कृति को दर्शाता है, जिसमें सभी को शामिल किया गया है,”

शिवसेना नेता शायना एनसी ने इस पर प्रतिक्रिया दी कि भारत हमेशा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली

भारतीय मूल के ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के 112वें मेयर चुने गए हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 1 जनवरी। ज़ोहरान ममदानी ने एक भव्य समारोह में न्यूयॉर्क सिटी के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली। यह ऐतिहासिक समारोह मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में हुआ। भारतीय मूल के इस डेमोक्रेट नेता ने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम मेयर के रूप में शपथ ली, और शपथ लेते समय अपना हाथ पवित्र कुरान पर रखा। ऐसा करने वाले ये पहले मेयर हैं।

गुरुवार की आधी रात के बाद ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बन गए, और मैनहटन के एक अप्रयुक्त सबवे स्टेशन में शपथ ग्रहण के बाद ममदानी ने कहा, यह पुराना सबवे स्टेशन न्यूयॉर्क

- ममदानी ने न्यूयॉर्क के पुराने विख्यात सिटी हॉल सबवे स्टेशन पर शपथ ली। अपनी मेहराबदार छतों के लिए विख्यात यह स्टेशन 1945 से ही बंद है।
- शपथ ग्रहण के बाद ज़ोहरान ने कहा, “यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सौभाग्य है।”

सिटी की जान, स्वास्थ्य, और विरासत के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट के महत्व का प्रमाण है।

एसोसिएटेड प्रैस ने बताया, यह सबवे स्टेशन शहर के शुरुआती सबवे स्टॉप्स में से एक है और अपनी शानदार मेहराबदार छतों के लिए प्रसिद्ध है। यह 1945 से बंद है।

ममदानी के कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, “लंबे समय से बंद

सबवे स्टेशन का चुनाव उन मेहनती लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो हर दिन हमारे शहर को चलाते हैं। यह उस दौर का प्रतीक है, जब न्यूयॉर्क ने रोजमर्रा की जिंदगी का बेहतर बनाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश किया था। हमारा प्रशासन इसे फिर से शुरू करना चाहता है।”

ममदानी ने कहा, “यह सच में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल और खड़गे ने नववर्ष की बधाई दी

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को देशवासियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दी और प्रगति एवं समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संदेश पोस्ट करते हुए कहा,

- दोनों नेताओं ने प्रगति व समृद्धि के लिए एकता तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

”इस उत्सासपूर्ण नववर्ष पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, नया साल, कमजोर वर्गों के अधिकारों, काम का अधिकार, वोट का अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार की रक्षा के लिए जन आंदोलन बनें।” गांधी ने भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, ”आप सभी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान को पछाड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

अधिकारियों ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन साल में भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान पर आ जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 1 जनवरी। साल 2025 खत्म होने से पहले ही भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह जानकारी सरकार की साल के अंत की आर्थिक समीक्षा में दी गई है। अधिकारियों को उम्मीद है कि भारत अगले कुछ वर्षों में जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा।

अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन वर्षों के भीतर भारत जर्मनी को पार कर सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत का नामिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे वह अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर आ गया है।

हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि 2026 में आएगी, जब सालाना जीडीपी

- सरकार ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक है, “2025 : ए डिफाइनिंग इयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ”। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 4.18 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी ग्रोथ के साथ भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है और 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी प्रस्तावित है, तब भारत जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे नम्बर पर आ जाएगा।

- वर्ष 2022 में भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ कर पाँचवें स्थान पर आ गया था। सरकार ने दावा किया कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद सतत ग्रोथ भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को दर्शाती है।

- आबादी की दृष्टि से चीन को पीछे छोड़ कर भारत पहले स्थान पर है और भारत की 1.4 बिलियन आबादी 10 से 26 साल के बीच की है और इस युवा वर्ग के लिए भारी रोजगार सृजन की जरूरत है।

के अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के

आंकड़े बताते हैं कि भारत इस साल जापान को पार कर जाएगा। आईएमएफ

के 2026 के अनुमान के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर और जापान की 4.46 ट्रिलियन डॉलर होगी।

सरकार की हाल में जारी रिपोर्ट “2025: ए डिफाइनिंग इयर फॉर इंडियाज़ ग्रोथ” में कहा गया है कि “भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और इस रफ्तार को बनाए रखने की अच्छी स्थिति में है। 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले ढाई से तीन साल में 7.3 ट्रिलियन डॉलर की अनुमानित जीडीपी के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद जर्मनी को भी पछाड़ सकता है।”

भारत का यह सकारात्मक आकलन, अगस्त में वाशिंगटन द्वारा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली, 01 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नव वर्ष 2026 के आगमन पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स मंच पर शुभकामना संदेश पोस्ट किया, “सभी को 2026 की

- प्र.मंत्री ने एक्स पर लिखे अपने संदेश में राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

हार्दिक शुभकामनाएं। यह वर्ष सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, आपके प्रयासों में सफलता मिले और आप जो भी करें, उसमें संतोष प्राप्त हो। मैं समाज में शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूँ।”अपने नववर्ष संदेश में मोदी ने राष्ट्रीय विकास के लिए एकता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि देश आने वाले वर्ष में चुनौतियों पर काबू पाएगा और नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय आया है जब भारत अपनी आर्थिक विकास की गति को आगे बढ़ाने और वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है। मोदी ने नागरिकों से एक समृद्ध और सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

विचार बिन्दु

सहकामी दीपक दसा, सोखे तेल निवास
कबीरा हीरा संतजन, सहजे सदा प्रकास –कबीर

राजस्थान के मुख्यमंत्री की गंभीरता और चिंता को दर्शाता है अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान

राजस्थान के 20 जिलों में अरावली पर्वतमाला की पारिस्थितिकी, जैव विविधता, जल पुनर्भरण और रेगिस्तानीकरण के विस्तार को रोकने में भूमिका को देखते हुए राजस्थान सरकार अरावली संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ ही गंभीर है। राजस्थान के अलवर, खैरथल-तिजारा, झुझुनू, सीकर, जयपुर, तौसा, कोटपुतली-बहरोड, अजमेर, भीलवाड़ा, ब्यावर, टोंक, कुचामन-डीववाना, पाली, सिरोंही, राजसमंद, उदयपुर, सर्लुंबर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिले अरावली पर्वतमाला श्रृंखला के दायरे में आते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अरावली को लेकर गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उन्होंने ना केवल अरावली पर्वतमाला क्षेत्र अपितु प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देते रहे हैं और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त होने लगे हैं। अरावली को लेकर पर्यावरणविदों, गैर सरकारी संगठनों और इंफ्लुएंसरों की चिंता से पहले ही मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा गंभीर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अरावली प्रभावित क्षेत्रों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश के तत्कालबाद खान विभाग ने बिना किसी देरी किये अरावली प्रभावित जिलों में संयुक्त अभियान चलाने की कुछ घंटों में ही तैयारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए माईस विभाग ही नहीं अपितु समूचे प्रशासन को सक्रिय कर दिया। सोमवार 29 दिसंबर से अभियान आरंभ हो गया है और प्रमुख सचिव माईस टी. रविकान्त ने स्पष्ट व सेल्फ स्पीकिंग दिशा-निर्देश जारी करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे संवाद कायम कर सरकार की मंशा से ठोस कार्रवाई का संदेश दे दिया है। प्रमुख सचिव माईस श्री टी. रविकान्त अभियान की क्लोज मोनेटरिंग कर रहे हैं और उसी का परिणाम है कि शुरुआती तीन दिनों में ही उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त होने लगे हैं।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने अरावली पर नवंबर माह में पारित आदेश को केप्ट इन एवेयेंस रख दिया है। नवंबर माह के अरावली पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के 10 से 15 दिन बाद जिस तरह से अरावली बचाओ-जीवन बचाओ आंदोलन ने जनआंदोलन का रुप लिया ठीक उसी तरह से केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अरावली के संरक्षण को लेकर सरकार की मंशा और ईच्छा शक्ति को यह कहकर स्पष्ट कर दिया कि अरावली पर्वतमाला से किसी तरह की छेड़छाड़ की अनुमति नहीं दी जाएगी। अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन पट्टे नहीं जारी किये जाएंगे वहीं अरावली संरक्षित क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा। इससे यह तो स्पष्ट हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार दोनों ही अति गंभीर हैं। गुजरात, दिल्ली,

हरियाणा और राजस्थान तक फैली अरावली पर्वतमाला का सर्वाधिक क्षेत्र राजस्थान में आता है। राजस्थान के 20 जिले अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में आते हैं इनके साथ ही गुजरात के बांसकाटा, सांवरकांटा, अरावली और माहीसागर का कुछ हिस्सा, हरियाणा का गुरुग्राम, भीवाणी, नूह, चरकी दादरी, महेन्द्र गढ़ फरिदाबाद और रेवाड़ी, दिल्ली के नई दिल्ली से दक्षिण पूर्व, दक्षिण, पश्चिमी और सेन्ट्रल दिल्ली तक अरावली पर्वतमाला का विस्तार है। इसमें कोई दो राय नहीं कि राजस्थान में ही अरावली पर्वतमाला का अधिकांश क्षेत्र आता है तो दूसरी ओर अरावली बचाओ अभियान देश में आज ज्वलंत मुद्दा और आंदोलन बन गया है। इसमें भी कोई दो राय नहीं अरावली राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण रही है और इसके संरक्षण के लिए आज नहीं अपितु राजस्थान सालों से प्रयासरत रहा है। अरावली थार के रेगिस्तान को विस्तारित होने से रोकने की दीवार रही है। अरावली में जैव विविधता के साथ ही जल संरक्षण में भी प्रमुख भूमिका रही है।

अरावली प्राचीनतम पर्वतमाला होने के साथ ही थार के रेगिस्तान को फैलने से रोकने की एक तरह से प्राकृतिक दीवार है। थार के रेगिस्तान का विस्तार रोकने में अरावली की प्रमुख भूमिका रही है। यह भी सही है कि अरावली की कोख में खनिज संपदा का भण्डार भरा पड़ा है। यहां तक कि आज के दुर्लभतम और अत्यधिक महत्वपूर्ण खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट, क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरलों के विशाल डिपोजिट्स अरावली पर्वतमाला की कोख में समाये हुए हैं। अरावली को लेकर सबसे बड़ा संकट अवैध खनन को लेकर भी है। अवैध खनन में प्रभावशाली व स्थानीय लोगों की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी से इंकार नहीं किया जा सकता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का अरावली प्रभावित क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सघन अभियान चलाने का निर्णय इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान की सरकार अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर है। अभियान के दौरान पांच विभागों को संयुक्त रूप से जोड़ना इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि अरावली क्षेत्र में वन क्षेत्र भी है तो राजस्व विभाग से संबंधित क्षेत्र भी है। अवैध खनन परिवहन और ओवरलोडिंग आदि की समस्या को देखते हुए परिवहन विभाग को जोड़ा गया है तो कानून व्यवस्था की स्थितियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन को जोड़ा गया है। जिला कलक्टर के मार्गदर्शन में अभियान का संचालन इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि जिला कलक्टर सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय व स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अभियान को गति देने व सफल बनाने में कारगर भूमिका निभा सकते हैं। शुरुआती दो दिनों में ही बड़ी कार्रवाइयां करते हुए अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 12 एक्सक्वेटर व 137 वाहनों की जब्ती कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द कर दिया गया है। 14 एफआईआर, एक गिरफ्तारी और 7 हजार टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया जा चुका है। करीब करीब 30 लाख का जुर्माना वसूल कर राजकोष में जमा किया गया है।अभियान के दौरान दिन प्रतिदिन तेजी दिखाई दे रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अरावली के प्रति चिंता की सरहना तो की ही जानी चाहिए और उन्होंने त्वरित निर्णय कर राज्य सरकार की इच्छाशक्ति को भी स्पष्ट कर दिया है। अब अरावली बचाओ अभियान चलाने वाले संगठनों और चिंता व्यक्त करने वालों का भी दायित्व हो जाता है कि वे सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर अवैध खनन गतिविधियों को नेस्तनाबूद करने के राज्य सरकार के संकल्प को पूरा करने में सहभागी बने। आंदोलन आंदोलन के लिए ना होकर अवैध खनन के रोग को मिटाने में भागीदारी बने तो निश्चित रुप से अरावली के प्रति जो देशव्यापी चिंता व्यक्त की जा रही है और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार गंभीर होकर अभियान चला रही है उसके सहभागिता से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अरावली बचाओं अभियान के भागीदारों को अरावली में अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई में भागीदार बनने से ही आंदोलन की उपादेयता सिद्ध हो पायेगी।

—अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)



रामनिवास बैरवा

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ताजपोशी के दो वर्ष पूरे होने के जश्न मनाया जा रहा है। इसके पहले व्यक्तियों की ताजपोशी के 100 दिन, एक साल, ग्यारह साल के जश्न मनाये

छह इंच की स्क्रीन और भविष्य की सुरक्षा: डिज़िटल युग की नई चुनौती



अशोक कुमार

आज के डिजिटल युग में पेरेंटिंग या परवरिश की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। पहले माता-पिता की चिंता यह होती थी कि बच्चा बाहर धूप में न खेले या गलत संगत में न पड़े, लेकिन आज सबसे बड़ी चुनौती बच्चे के हाथ में मौजूद वह 6 इंच की स्क्रीन है, जो पूरी दुनिया को समेटे हुए है। डिजिटल पेरेंटिंग का अर्थ केवल बच्चों को तकनीक से दूर रखना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीक का सही, सुरक्षित और संतुलित उपयोग सिखाना है। यहाँ डिजिटल पेरेंटिंग के विभिन्न पहलुओं, चुनौतियों और समाधानों पर एक विस्तृत चर्चा दी गई है:

1. डिजिटल पेरेंटिंग की आवश्यकता क्यों?

भारत जैसे देश में, जहाँ इंटरनेट डेटा सबसे सस्ता है, वहाँ बच्चों की

पहुँच हर तरह के कंटेंट तक बहुत आसान हो गई है। जैसा कि हमने चर्चा की, अब शिक्षा में भी एनीमेशन और अनौपचारिक भाषा का प्रवेश हो रहा है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका एक फिल्टर की तरह हो जाती है।

कंटेंट का सैलाब: इंटरनेट पर ज्ञान के साथ-साथ कचरा भी मौजूद है। बिना मार्गदर्शन के बच्चा यह तय नहीं कर पाता कि उसके लिए क्या सही है।

सुरक्षा का सवाल: साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ठगी और अनुपयुक्त कंटेंट (जैसे हिंसा या अश्लीलता) से बच्चों को बचाना डिजिटल पेरेंटिंग का प्राथमिक लक्ष्य है।

2. मुख्य चुनौतियाँ: जहाँ माता-पिता चूक जाते हैं

अ. डिजिटल बेबीसिटर की प्रवृत्ति:

आजकल माता-पिता खुद को व्यस्त रखने या बच्चे को शांत करने के लिए उसे मोबाइल थमा देते हैं। खाना खिलाते समय या सफर के दौरान मोबाइल देना एक लत की शुरुआत है।

ब. ज्ञान का अभाव:

कई बार बच्चे तकनीक के मामले में अपने माता-पिता से कहीं आगे होते हैं। माता-पिता को पता ही नहीं होता कि पेरेंटल कंट्रोल क्या है या बच्चा पढ़ें के पीछे क्या देख रहा है।

स. भाषा और व्यवहार पर प्रभाव: एड्युजिव लैंग्वेज वाले बच्चा ऐसे वीडियो देखता है जिसमें शिक्षक या पात्र अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो वह उसे ही कूल और सामान्य मान लेता है। डिजिटल दुनिया में भाषाई मर्यादा बहुत तेजी से गिर रही है।

3. डिजिटल पेरेंटिंग के नकारात्मक प्रभाव (यदि ध्यान न दिया जाए)

शारीरिक स्वास्थ्य: आँखों की कमजोरी, मोटापा और नींद की कमी। मानसिक स्वास्थ्य: एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन और अकेलापना। सामाजिक कौशल का ह्रास: बच्चा स्क्रीन के साथ तो घंटों बिता सकता है, लेकिन वास्तविक जीवन में लोगों से बात करने में उसे झिझक होने लगती है।

4. एक प्रभावी डिजिटल पेरेंट कैसे बनें? (समाधान और रणनीतियाँ)

डिजिटल पेरेंटिंग का मतलब तानाशाही नहीं, बल्कि सहयोग है। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

क. उम्र के अनुसार नियम तय करें

0-2 वर्ष: अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, इस उम्र में स्क्रीन से पूरी तरह बचना चाहिए।

2-5 वर्ष: दिन में अधिकतम 1 घंटा, वह भी माता-पिता की

निगरानी में।

6 वर्ष से ऊपर: पढ़ाई और मनोरंजन के बीच एक स्पष्ट संतुलन। ख. डिजिटल डिटॉक्स और नो-फोन ज़ोन

घर में कुछ नियम बनाएँ, जैसे: खाना खाते समय कोई मोबाइल नहीं। सोने से 1 घंटा पहले सभी गैजेट्स बंद। रविवार का कुछ समय नो-गैजेट डे के रूप में मनाया।

ग. कंटेंट की गुणवत्ता की जाँच

अगर बच्चा एनिमेटेड वीडियो से पढ़ रहा है, तो पहले आप उसे देखें। क्या उसमें इस्तेमाल की गई भाषा आपके परिवार के संस्कारों के अनुरूप है? जैसा कि हमने चर्चा की, शिक्षा में मनोरंजन अच्छी बात है, लेकिन अभद्रता नहीं।

घ. तकनीक का उपयोग सीखने के लिए करें, खोने के लिए नहीं

बच्चे को सिखाएँ कि इंटरनेट केवल वीडियो देखने के लिए नहीं है। उसे कोडिंग, डिजिटल पेंटिंग, नई भाषाएँ सीखने या जानकारी खोजने के लिए प्रोत्साहित करें।

ड. खुद एक उदाहरण बनें

डिजिटल पेरेंटिंग की सबसे बड़ी चुनौती खुद माता-पिता है। यदि आप खुद बच्चे के सामने हर समय फोन पर लगे रहेंगे, तो बच्चा आपकी बात कभी नहीं मानेगा। बच्चे वही करते हैं जो वे देखते हैं, वह नहीं जो उन्हें कहा जाता है।

है? यदि हाँ तो धरातल पर क्या स्थिति है? आंकड़ों के लिए अगर पैमाने बदलकर विकास दिखाया जाता है तो वह जनता के साथ धोखधड़ी ही है, जैसे गरीबों को कम करके दिखाने के लिए गरीबों की आय को कम करके दिखाना ताकि उस तथ्य आमदनी से अधिक आय वाले सभी व्यक्ति-परिवार गरीबों की रेखा से बाहर है। ऐसे में विरासत में प्राप्त व्यवस्था को आगे बढ़ाने के बदले उसे उल्टी दिशा में मोड़ देना ही होता है। आंकड़ों में विकास का प्रचार वस्तुतः पड़यंत्रों से सत्ता प्राप्त करने वाले राजाओं की तरह अपनी अकर्मण्यताओं का ही बखान उपलब्धियों के रूप में किया करते हैं।

—रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

C
M
K

5. किताबी ज्ञान और डिजिटल शिक्षा का संतुलन

बच्चे किताबों से दूर हो रहे हैं। डिजिटल पेरेंटिंग का एक बड़ा हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि बच्चा कानाज और स्याही की दुनिया से जुड़ा रहे। बच्चों को लाइब्रेरी ले जाएँ उनके साथ बैठकर कहानियाँ पढ़ें। उन्हें समझाएँ कि वीडियो केवल एक झलक है, जबकि असली गहराई किताबों में ही मिलती है।

6. निष्कर्ष-- डिजिटल पेरेंटिंग कोई एक दिन का काम नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें बच्चों को तकनीक से डराना नहीं है, बल्कि उन्हें इतना समझदार बनाना है कि वे खुद सही और गलत के बीच फर्क कर सकें। भारत में आ रहे एनीमेशन आधारित शिक्षा के नए दौर में, माता-पिता को और भी सतर्क रहना होगा। शिक्षा में आधुनिकता का स्वागत है, लेकिन वह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, भाषा की शुचिता और किताबों की महत्ता की बलि देकर नहीं आनी चाहिए।

बच्चे को मोबाइल देना आसान है, लेकिन उसे संस्कार देना कठिन। डिजिटल युग में असली पेरेंटिंग वही है जो कठिन रास्ते को चुने।

—अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

+

पाटन : कोला की नांगल विद्यालय को अन्य विद्यालय में मर्ज करने का विरोध

शिक्षा निदेशालय के जारी आदेश में कोला की नांगल विद्यालय भवन को जर्जर बताते हुए इसे रैया का बास विद्यालय में मर्ज करने का निर्देश दिया गया था

पाटन, (निसं)। इलाके के कोला की नांगल स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को रैया का बास के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में मर्ज किए जाने के आदेश के विरोध में गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश देखने को मिला। दर्जनों ग्रामीणों ने मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) को ज्ञापन सौंपते हुए विद्यालय को यथावत कोला की नांगल में ही संचालित रखने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि कोला की नांगल के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में वर्तमान में 152 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। शिक्षा निदेशालय द्वारा 29 दिसंबर को जारी आदेश में विद्यालय भवन को जर्जर बताते हुए इसे रैया का बास विद्यालय में मर्ज करने का निर्देश दिया गया था। जैसे ही ग्रामीणों को इस आदेश की जानकारी मिली, उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि विद्यालय भवन जर्जर नहीं है। विद्यालय में पहले से ही 7 कमरे सुरक्षित स्थिति में हैं तथा हाल ही में जन सहयोग से 3 अतिरिक्त कमरों की



ग्रामीणों ने मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) को ज्ञापन सौंपा।

मरम्मत करवाई गई है। ऐसे में विद्यालय को मर्ज करने का कोई औचित्य नहीं है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कोला की नांगल से रैया का बास की दूरी लगभग 3 किलोमीटर है,

जिसका रास्ता जंगल और सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है। छोटे बच्चों के लिए इस मार्ग से रोजाना आना-जाना बेहद असुरक्षित है और किसी भी प्रकार की अनहोनी की आशंका बनी रहती

है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि विद्यालय को कोला की नांगल में यथावत नहीं रखा गया तो वे अपने बच्चों को रैया का बास विद्यालय नहीं भेजेंगे। साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर

■ ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में पहले से ही 7 कमरे सुरक्षित स्थिति में हैं तथा हाल ही में जन सहयोग से 3 अतिरिक्त कमरों की मरम्मत कराई गई है

■ कोला की नांगल से रैया का बास की दूरी लगभग 3 किमी है, जिसका रास्ता जंगल और सुनसान क्षेत्र से होकर गुजरता है

आंदोलन की भी चेतावनी दी। इस दौरान सीबीईओ भंवर सिंह एवं एससीबीईओ महेश मोघा ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने तथा विद्यालय को यथावत रखने का प्रयास करने का आश्वासन दिया।

C
M
K



पंडित अनिल शर्मा

आज रवियोग रात्रि 8:04 तक है। राजयोग सायं 6:54 से रात्रि 8:04 तक है। भद्रा सायं 6:54 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:38 तक, लाभ-अमृत 8:38 से 11:13 तक, शुभ 12:31 से 1:48 तक, चर 4:23 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:41

राशिफल

शुक्रवार 2 जनवरी, 2026

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2082, युगशिरा नक्षत्र सायं 8:04 तक, शुक्ल योग दिन 1:07 तक, गर करण प्रातः 8:38 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:26 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

+



मेघ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



तुला

नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।



वृष

आर्थिक कार्यों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।



वृश्चिक

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।



मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।



धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।



कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।



मकर

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। मन में बना हुआ भय समाप्त होगा।



सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संपादित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।



कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।



कन्या

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मीन

घर-परिवार में सुख-शान्ति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

+

ई-कॉमर्स के नाम पर साइबर ठगी करने वाले छत्तीसगढ़ और जयपुर के बदमाश गिरफ्तार

लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे आरोपी

—कार्यालय संवाददाता—

जयपुर। साइबर पुलिस जयपुर ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए की जा रही संगठित साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए शांतिर साइबर टग गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अमोल चौपड़ा निवासी छत्तीसगढ़ और सक्षम खंडेलवाल निवासी प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जबकि गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी, आम लोगों को फर्जी और मैलिशियस लिंक भेजकर उनके मोबाइल फोन हैक करते थे। इसके बाद पीड़ितों के क्रेडिट और डेबिट कार्ड विवरण का दुरुपयोग कर फिलफार्ट, अमेजन, स्विगी, ज़ेप्नो और ब्लिंकिंग जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से महंगे मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान ऑर्डर करते थे। पूरे मामले का

■ पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लेन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकॉर्सी का उपयोग करते थे

खुलासा मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हुआ। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पुलिस जांच से बचने और वित्तीय लेन-देन छुपाने के लिए क्रिप्टोकॉर्सी का इस्तेमाल करते थे। इसके जरिए वे साइबर ठगी से प्राप्त रकम को ट्रेस होने से बचाते थे।

नेपाल के रास्ते विदेश भेजते थे मोबाइल

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी और ई-कॉमर्स अपराधों की रोकथाम के लिए एसीबी (क्राइम) मनीष अग्रवाल के निर्देशन में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने आरोपियों की पहचान कर उनके नेटवर्क को तोड़ने में सफलता हासिल की है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी थर्ड पार्टी एप्लिकेशन, डिजिटल पहचान चोरी और फिलफार्ट मिनट जैसी फास्ट डिलीवरी सेवाओं का उपयोग कर कम समय में सामान मंगाने थे। साइबर ठगी से खरीदे गए नए मोबाइल फोन को नेपाल के रास्ते दूसरे देशों में भेजा जाता

था। जिसके पुख्ता साक्ष्य पुलिस को मिले हैं।

एक आरोपी जेल, दूसरा पुलिस रिमांड पर

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभीजीत सिंह ने बताया मामले में साइबर पुलिस थाना जयपुर में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी अमोल चौपड़ा को न्यायिक अभिरक्षा (जेसी) में भेज दिया गया है, जबकि कोर्ट ने दूसरे आरोपी सक्षम खण्डेलवाल को दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है।पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश के साथ-साथ डिजिटल, वित्तीय और अंतरराष्ट्रीय लिंक की गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में इसे अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह माना जा रहा है।

हैड कांस्टेबल 10 हजार रुपए की रिश्तत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) सीकर टीम ने कार्रवाई करते पुलिस थाना सदर नीमकाथाना जिला सीकर के पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को परिव्रादी से दस हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी सीकर टीम को परिव्रादी ने शिकायत दी कि उसके भाईयों के विरूद्ध दर्ज मामले में आरोपित नहीं बनाने की एवज में पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार दस हजार रुपये बतौर रिश्तत पूर्व में प्राप्त कर शेष दस हजार रुपये की रिश्तत की मांग कर रहा है।

जिस पर एसीबी सीकर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पुलिस हेड कांस्टेबल राजेश कुमार को दस हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार किया गया है।

पिछली कांग्रेस सरकार में हुए पेपरलीक और आरपीएससी भ्रष्टाचार पर सरकार ने अपनाया सख्त रुख

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस प्रकरण में नए तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए

एसओजी से जांच करवाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार शाम मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, डीजीपी राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

■ युवाओं के भविष्य के साथ छेड़छाड़ करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एसओजी एवं एसीबी के अधिकारियों को नए तथ्यों के परिपेक्ष्य में तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने आवश्यकतानुसार एसओजी के साथ एसीबी को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गईं, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।

उन्होंने युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गईं, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है।

उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक 2 5 हजार रु. रिश्तत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की सवाई माधोपुर टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जिला उद्योग केन्द्र सवाई माधोपुर के वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को परिव्रादी से 25 हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार किया गया है।



सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में जिला उद्योग केन्द्र का वरिष्ठ सहायक सूर्यप्रकाश नामा तीस हजार रुपये की रिश्तत मांग रहा है। जिस पर एसीबी

की टीम ने रिश्तत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो रिश्तत मांग सत्यापन में वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा ने परिव्रादी से सब्सिडी व ब्याज अनुदान राशि डालने की एवज में तीस हजार रुपये रिश्तत राशि की मांग कर 25 हजार रुपये लेने पर सहमत हुआ। जिस पर एसीबी सवाई माधोपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ सहायक सूर्य प्रकाश नामा को 25 हजार रुपये की रिश्तत लेते गिरफ्तार किया गया है।

स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के आधार : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिला आधारित स्थानीय उत्पाद प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के मूल आधार है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने प्रत्येक जिले में स्थानीय विशिष्टता एवं विरासत के संरक्षण व संवर्धन के लिए पंच गौरव कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि पंच गौरव कार्यक्रम में प्रत्येक जिले के चिन्हित तत्वों का प्राथमिकता के अनुसार दीर्घकालीन कार्य योजना तैयार कर विकास एवं संरक्षण के कार्य किए जाएं तथा संबंधित नोडल विभाग इसकी नियमित समीक्षा भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को भी पंच गौरव कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की जावे, जिससे उन्हें भी जिले की विशिष्ट पहचान की जानकारी मिल सके। साथ ही, उन्होंने इस

■ पंच गौरव कार्यक्रम में जन सहभागिता एवं जागरुकता बढ़ाएं : मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले पर पर्यटन सुविधाएं बेहतर बनाएं, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ें।”

कार्यक्रम की गतिविधियों में अधिकाधिक जन सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन का इससे सीधा जुड़ाव हो सके।शर्मा ने कहा कि सभी जिलों के चयनित कृषि उत्पादों की नवाचारों के साथ ब्रांडिंग की जाए, ताकि इन उत्पादों को नई

पहचान मिल सके। उन्होंने वन विभाग को स्थानीय विशेषता के आधार पर पौधे तैयार करने एवं वृक्ष मित्र बनाने जाने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल विभाग को प्रत्येक जिले में स्थानीय युवाओं को खेलों से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिला एक पर्यटन स्थल के अर्न्तगत पर्यटन स्थलों पर सड़क व पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो सकें। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र से जुड़े गाइड एवं विभिन्न हितधारकों के समतावर्द्धन के लिए भी नीति निर्धारण के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि पंच गौरव के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में एक उत्पाद, एक उपज, एक खेल, एक वनस्पति और एक पर्यटन स्थल को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा : मदन राठौड़

कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा राजस्थान के हितों को सर्वोपरि रखा, जबकि कांग्रेस ने हमेशा बंदरबांट की राजनीति को बढ़ावा दिया।

उन्होंने प्रदेशवासियों को अंग्रेजी कैलेंडर के प्रथम दिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2025 में भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने अल्प समय में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे जल प्रबंधन का क्षेत्र हो, बिजली आपूर्ति, रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना का सुदृढीकरण हो या किसानों को सशक्त बनाने की योजनाएं— सरकार ने प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक क्षेत्र के हित में ठोस निर्णय लिए हैं। सोलर ऊर्जा के माध्यम से किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाणी, जिससे कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी गति



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत की।

मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज विपक्षी दलों में आपसी कलह, फूट और सिर फुटव्वल साफ दिखाई दे रही है। इसी कारण जनता का विश्वास भाजपा पर लगातार बढ़ रहा है और लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। राजस्थान रिफाइनरी के विषय में राठौड़ ने कहा कि इसकी प्रक्रिया वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में प्रारंभ हुई थी। कांग्रेस

सरकार ने सितंबर 2013 में रिफाइनरी को लेकर ऐसा एमओयू किया, जिसमें राज्य सरकार को 15 वर्षों तक बिना ब्याज के प्रतिवर्ष 3871 करोड़ रुपये देने थे तथा 15 वर्ष बाद 26 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलती, यह राज्य पर अत्यधिक आर्थिक बोझ डालने वाला समझौता था।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में वसुंधरा राजे सरकार ने एचपीसीएल

5 7 किलो चांदी लूट के मामले में डेढ़ साल से फरार बदमाश गिरफ्तार

माणक चौक क्षेत्र में मनीरामजी की कोठी रास्ता स्थित गजानंद ज्वैलरी शॉप में गार्डों को बंधक बनाकर जेवरात लूटने का मामला

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ज्वैलरी शॉप से 57 किलो चांदी की लूट के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 किलो चांदी के गहने भी बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद तौहीद (34) निवासी निवाई, जिला टोंक के रूप में हुई है। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ करीब आधा दर्जन अपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले में एक अन्य फरार आरोपी अशफाक की तलाश जारी है, जिस पर भी 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया है।

सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर की थी लूट

डी.सी.पी. ने बताया कि 19 नवंबर को पीड़ित विनोद अग्रवाल ने माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिव्रादी ने बताया कि मनीरामजी की कोठी का रास्ता स्थित सिद्धि विनायक कॉम्प्लेक्स में उनकी गजानंद ज्वैलरी के नाम से दुकान है।

रात के समय बदमाशों ने दुकान की सुरक्षा में तैनात तीन गार्डों से मारपीट कर उन्हें बंधक बना लिया और शॉप का लॉक तोड़कर 57 किलो चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। घटना के



आरोपी मोहम्मद तौहीद

बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट में शामिल हितेश प्रजापत और अकरम को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से 38 किलो चांदी के सड़े हुए हैं। लगातार मुलाकात होने के बाद दोनों अच्छे दोस्त बन गए। पीड़ित का आरोप है कि गोल्ड लोन चुकाने के लिए उसने प्रेम चंद्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में 14 लाख रुपए

■ पुलिस ने आरोपी मोहम्मद तौहीद को गिरफ्तार कर 10 किलो चांदी के गहने भी जब्त किए हैं

■ इस प्रकरण में पुलिस पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 38 किलो चांदी बरामद कर चुकी

आरोपी ने दिल्ली-गुड़गांव में काटी फरारी

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि आरोपी मोहम्मद तौहीद वारदात के बाद अपने परिचित के यहां छिपने चला गया था। उसे जानकारी मिली कि पुलिस उसके टोंक-निवाई स्थित मकान पर दबिश देने आई थी और घर की गहन तलाशी लेकर लौट गई थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने लूट का माल अपने ही घर में छिपा दिया। इसके बाद वह पुलिस से बचने के लिए दिल्ली-गुड़गांव चला गया, जहां कुछ समय घूमने के बाद मालपुरा और टोंक क्षेत्र में भी फरारी काटता रहा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर टोंक में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से गहन घोषित किया गया।

आरटीजीएस के जरिए जमा करवाई बैंक अकाउंट में रुपए ट्रांसफर होने के बाद चकमा देकर फरार हो गया। पीड़ित ने कई बार आरोपी के मोबाइल फोन पर कॉल किया। लेकिन लगातार मोबाइल फोन बंद मिला। दिए गए रुपयों में से आरोपी ने 5 लाख रुपए से इन्हें ली। लगातार मुलाकात होने के बाद दोनों अचछे दोस्त बन गए। पीड़ित का आरोप है कि गोल्ड लोन चुकाने के लिए उसने प्रेम चंद्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में 14 लाख 65 हजार रुपए

आरटीजीएस के जरिए जमा करवाई बैंक अकाउंट में रुपए ट्रांसफर होने के बाद चकमा देकर फरार हो गया। पीड़ित ने कई बार आरोपी के मोबाइल फोन पर कॉल किया। लेकिन लगातार मोबाइल फोन बंद मिला। दिए गए रुपयों में से आरोपी ने 5 लाख रुपए से इन्हें ली। लगातार मुलाकात होने के बाद दोनों अचछे दोस्त बन गए। पीड़ित का आरोप है कि गोल्ड लोन चुकाने के लिए उसने प्रेम चंद्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में 14 लाख 65 हजार रुपए

माण्डलगढ़ में ट्रैलर व कार की टक्कर में चार जनों की मौत, एक गंभीर घायल

कार में सवार हंसते-खेलते तीन परिवारों की नये साल की खुशियां मातम में बदली

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे 758 पर बीगोद के पास यश पावन तीर्थ धाम के सामने गुरुवार सुबह नए साल के पहले दिन ट्रैलर और इको कार में भीषण टक्कर हो गई। सड़क हादसे में चार जनों की मौत हो गई और एक गम्भीर रूप से घायल हो गई। कार में सवार हंसते-खेलते तीन परिवारों की नये साल की खुशियां मातम में तब्दील हो गई।

जानकारी के अनुसार बीगोद से भीलवाड़ा मार्ग पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने बीगोद से सवाईपुर की ओर एक तेज रफ्तार ट्रैलर ने भीलवाड़ा की ओर से आ रही इको कार को जोरदार टक्कर मार दी। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। हादसे में दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई और 2 गम्भीर घायल की जिला चिकित्सालय उपचार के दौरान में मौत हो गई। सूचना पर बीगोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर आसपास के ग्रामीणों ने पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य मे पुलिस का सहयोग किया।

बीगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान ने बताया कि भीलवाड़ा रोड़ पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने गुरुवार



माण्डलगढ़-भीलवाड़ा हाइवे सड़क पर बीगोद के पास ट्रैलर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई।

सुबह बीगोद से भीलवाड़ा की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रैलर की बीगोद की तरफ आ रही इको कार से आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हो गई, टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि इको कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार में मासा व भाणेज की मौके पर ही मौत हो गई, घायलों को बीगोद सामुदायिक चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया, जहां उपचार के दौरान

चालक और एक महिला ने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद कुछ देर तक हाइवे सड़क के दोनों तरफ जाम के हालात बन गए, जिनको मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद यातायात सुचारु किया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाइवे से हटाकर थाने लाकर खड़ा किया, घायलों में मेजा गांव निवासी घणिया (26) पत्नी भागचंद धोबी की उपचार के दौरान मौत हो गई। इसकी तीन

वर्षीय पुत्री मुनू पुत्री भागचंद धोबी का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। मृतकों में कारोई निवासी मासा नारायण (30) पिता बरदू धोबी, चालक भानु प्रताप सिंह (22) पिता भंवर सिंह व मेजा निवासी भाणेज कुशवंत पिता भागचंद के नवजात शिशु की मौत हो गई। प्रथमदृष्टया ट्रैलर का ओवरटेक करने की वजह मानी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार

- बीगोद से भीलवाड़ा मार्ग पर यश पावन तीर्थ धाम के सामने हुआ भीषण हादसा**

घणिया धोबी जो अहमदाबाद में रहती जो नए साल पर अपने गांव आई थी। भीलवाड़ा से अपने जीजा नारायण के साथ बच्चों को लेकर पीहर मांडलगढ़ जा रही थी, इसी दौरान ये हादसा हो गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। यश पावन धाम क्षेत्र के आसपास नेशनल हाइवे पर साल में आए दिन हो रहे हादसों में कड़्यों की जान चली गई है और कई घायल भी हुए हैं। बीगोद ओर आसपास के लोगों द्वारा लाइपुरा-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे के अधिकारियों व प्रशासन से स्पीड ब्रेकर बनाने की पुर्जोर मांग लम्बे वक्त से की जा रही है, लेकिन आज दिन तक स्पीड ब्रेकर नहीं बने, अगर यहां पर स्पीड ब्रेकर होते तो इतने हादसे नहीं होते। बीगोद कस्बे वासियों ने स्पीड ब्रेकर नहीं बनने पर रोष प्रकट करते हुए बताया कि 7 दिन में अगर स्पीड ब्रेकर नहीं बने तो पूरा कस्बा बंद रखा जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी एनएचआई प्रशासन की होगी।

खारियाबास गांव में मकान पर आकाशीय बिजली गिरी, लाखों का नुकसान

घर में मौत होने पर बैठक चल रही थी, तभी आकाशीय बिजली गिर गई

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाने की सांखू चौकी के गांव खारियावास में बुधवार व गुरुवार देर रात मृतक ओमप्रकाश पुत्र लिछमणग्राम जाखड़ के घर पर गमगीन माहौल में आकाशीय बिजली गिरने से मकान क्षतिग्रस्त हो गया तथा घर में लगे सभी विद्युत उपकरण जल गये। घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय ओमप्रकाश पुत्र लिछमण राम जाखड़ की 24 दिसम्बर को मौत हो गई थी, जिनके घर पर बैठक चल रही है, तभी आकाशीय बिजली

- गनीमत रही कि घर में पास बैठे करीब एक दर्जन लोग बाल-बाल बच गए**

- आकाशीय बिजली गिरने से घर में लगे विद्युत उपकरण जले, मकान में आई दरारें**

गिर गई। मगर गनीमत रही कि घर में पास बैठे करीब एक दर्जन लोग बाल-बाल बच गए। यह घटना 31 दिसंबर की रात लगभग 11 बजे के आसपास होना बताया जा रहा है।

ग्रामीण तेजपाल जाखड़, नरेन्द्र भारतीय व प्रदीप जाखड़ ने बताया कि

तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली सीधे ओमप्रकाश जाखड़ के घर पर गिरी, जिससे मकान में दरारें आ गई। घर में लगे विद्युत उपकरण जल गए। इनमें फ्रिज, कूलर, मोबाइल फोन, बोरिंग की मोटर सहित अन्य बिजली का सामान और फिटिंग शामिल है। पीड़ित परिवार के अनुसार, इस घटना में लाखों रूपये का नुकसान हो गया। पड़ोस के घर में दाताराम के घर का इन्वर्टर भी जल गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

पाक घुसपैठिये को पकड़ा

जैसलमेर, (निसं)। जिले में सीमा सुरक्षा बल ने घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। जिले के नाचना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब

- सीमा सुरक्षा बल की 72वीं बटालियन ने कार्रवाई की**

आठ बजे सीमा सुरक्षा बल की 72वीं बटालियन के जवान गस्त पर थे। इसी दौरान हल्के कोहरे के बीच सीमा पार से एक युवक को भारतीय क्षेत्र की ओर आते देखा। जवानों ने सतर्कता बरतते हुए तुरंत घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध युवक भारतीय सीमा के भीतर दखिल हुआ, सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तारबंदी के पास उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल खुफिया एजेंसियों और सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी उससे गहन पूछताछ कर रहे हैं। पाकिस्तानी घुसपैठिए के जासूस होने का शक है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर सर्व समाज में आक्रोश

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में गुरुवार को भीम आर्मी, मेघवाल महासभा, कामगार समाज, अजाक, किसान सभा व सर्व समाज ने सोशल मीडिया पर अनुसूचित जाति, डॉ. भीमराव अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर पुलिस थाने के बाहर जमकर प्रदर्शन किया।

- अनुसूचित जाति व डॉ. अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला**

एफआईआर दर्ज नहीं होने के कारण लोगों ने पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी की।

किसान सभा के तहसील अध्यक्ष भादर धामू ने कहा कि गत दिनों राजलदेसर के ही एक व्यक्ति ने एक नेता की फ़ोटो पर कालिख पोतकर पोस्ट की तो सब जगह एफआईआर दर्ज हो गई, लेकिन जब बाबा साहेब भीमराव



राजलदेसर में सर्व समाज ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

अंबेडकर का अपमान किया तो एफआईआर दर्ज करने में तकलीफ क्यों हो रही है। हालांकि आरोपी को गिरफ्तार करने लेकर लोगों ने तीन दिन का पुलिस को अल्टीमेट दिया है।

जानकारी के अनुसार करतार सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह राजपूत निवासी वार्ड नं. 8, जगदवा तहसील रतनगढ़ ने अपने डिजिटल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर अपनी आईडी से लाइव आकर भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर

विवादित बयान बोल अनुसूचित जाति के सम्पूर्ण समुदाय को आपत्तिजनक व अश्लील गालियां निकाली। इस प्रकार ऑन रिर्काई डॉ. भीमराव अम्बेडकर साहेब को व अनुसूचित जाति के सम्पूर्ण समुदाय को गालियां देने से समुदाय में भारी रोष व्याप्त है। इस मौके पर भीम आर्मी व साबुन अध्यक्ष श्रवण बारूपाल, मेघवाल महासभा के तहसील अध्यक्ष कालुराम तवर, कामगार समाज के अध्यक्ष

जयचंद महावर, भाजपा जिला प्रवक्ता पवन बोथरा, पार्षद पवन प्रजापत, आरएलपी के रतनलाल बिजनिया, अजाक सांठन के अध्यक्ष नर्सिंग कर्मचारी चैनरूप भाटिया, आलसर सरपंच भानीराम मेघवाल, कामगार समाज के सचिव लालचंद प्रजापत, पार्षद मिर्जा राम मेघवाल, किशोर कामड़, दिलीप रैगर, कालुराम मेघवाल सहित सैकड़ों संख्या में व्यक्ति मौजूद रहे।

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अलवर शहर के केडलगंज स्थित रैन बसेरे एवं अन्नपूर्णा रसोई की व्यवस्था का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

अन्नपूर्णा रसोई व रैन बसेरा का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंची जिला कलैक्टर ने केडलगंज स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि सर्दी के मौसम को दृष्टिगत रखते

- केडलगंज रैन बसेरे के पास अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता जांची**

आवश्यकता अनुसार कम्बल, बिस्तर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही निर्देश दिये कि एक साल पर तुरंत रैन बसेरे में नई बाल्टी, मग्गा व साबुन की व्यवस्था सुनिश्चित कर इसकी फोटो भिजवाएं। जिला कलैक्टर ने अधिकारी को निर्देश दिये कि सम्पूर्ण

अजय उर्फ दीपू बावरिया ने रची थी फायरिंग की झूठी कहानी

सूरजगढ़, (निसं)। थाना इलाके के काकोड़ा गांव में 28 दिसंबर को फायरिंग की घटना की कहानी जो बताई गई थी, वो झूठी निकली। पुलिस ने तीन दिन की कड़ी मशक्कत के बाद ना केवल सच की पड़ताल कर ली, बल्कि फायरिंग की शिकायत करने वाले को

- फायरिंग की शिकायत करने वाले को ही अवैध हथियार के मामले में गिरफ्तार किया**

ही अवैध हथियार के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

सीआई रणजीत सेवदा ने बताया कि 28 दिसंबर को काकोड़ा निवासी 23 वर्षीय अजय उर्फ दीपू पुत्र राजकुमार उर्फ सत्यवीर बावरिया के हाथ में गोली लगने से घायल होने की सूचना दी। इस मामले में अज्ञात दो युवकों पर फायरिंग का आरोप लगाते हुए घायल अजय उर्फ दीपू ने रिपोर्ट दी थी। दो दिन तक बीडीके अस्पताल में इलाज के बाद जब 31 दिसंबर को सूरजगढ़ पुलिस ने अजय उर्फ दीपू से पूछताछ की तो पूरी कहानी झूठी निकली। पूछताछ में अजय ऊर्फ दीपू ने बताया कि वह करीब दो साल से मध्यप्रदेश की एक लड़की से इंस्टाग्राम



गिरफ्तार आरोपी

के जरिए संपर्क था और दोनों एक-दूसरे को प्यार करते थे, लेकिन दो महीने पहले उसने किसी दूसरे लड़के से शादी कर ली और अजय उर्फ दीपू को भी ब्लॉक कर दिया। तभी से अजय उर्फ दीपू टेंशन था। पहले पत्नी से तलाक और इसके बाद प्रेमिका से बेवफाई अजय उर्फ दीपू को तनाव में ले गई, इसलिए अजय उर्फ दीपू अपने कमरे में ही बैठकर सुसाइड करने का प्लान बना रहा था। 28 दिसंबर को भी वह सुसाइड करने के लिए अवैध देशी कट्टे को लोड करके सुसाइड करना चाह रहा था कि

नये साल पर यातायात नियम तोड़ने वालों को पुलिस ने माला पहनाई



अलवर शहर में पुलिस ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को समझाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया।

एडिशनल एसपी गोपीनाथ शरण कांबले ने बताया कि पिछले कई दिनों से पुलिस लगातार अभियान चलाकर बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों, मॉडिफाइड वाहनों और तेज आवाज वाले साइलेंसर लगी बुलेट बाइकों पर कार्रवाई कर रही है। इसके बावजूद लोग यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए साल के मौके पर लोगों को समझाने के लिए यह नया

तरीका अपनाया गया है, ताकि लोग खुद शर्म महसूस कर नियमों की पालना करने लगे। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है, इसी को देखते हुए पुलिस नए-नए तरीकों का इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है। इस दौरान नियम तोड़ने वालों को चॉकलेट और माला पहनाने के साथ-साथ नियमानुसार चालान भी काटे गए।

सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता पर लोकपाल सरख्त

जालोर, (कासं)। जिले में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत होने वाले सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता हावी रहने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए लोकपाल ने कड़ा रुख अपनाया है।

लोकपाल नैनसिंह शंखवाली ने बताया कि जिले के सभी कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं, ताकि सोशल ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी, पारदर्शी और जनभागीदारी युक्त बनाया जा सके। इसके साथ ही ग्राम विकास अधिकारियों (वीडीओ) को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे सोशल ऑडिट की ग्राम सभा की सूचना ग्राम पंचायत के प्रमुख सर्वजनिक

स्थलों पर अनिवार्य रूप से चस्पा करें। इसमें पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय, राशन की दुकान एवं अन्य प्रमुख स्थान शामिल होंगे, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को समय रहते सूचना मिल सके। लोकपाल ने कहा कि सोशल ऑडिट केवल औपचारिक प्रक्रिया न रहकर जनसुनवाई का सशक्त माध्यम बने। इससे मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हुए कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही, इससे संबंधित अधिकारियों, कार्मिकों एवं जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही भी तय

होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल ऑडिट में लापरवाही या निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। लोकपाल के इस कदम से जिले में सोशल ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार आने और ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ने में सोशल ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार आने और ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। लोकपाल जालोर नैनसिंह राजपूरोहित ने बताया कि सोशल ऑडिट की ग्राम सभाओं में औपचारिकता हावी रहने की बात संज्ञान में आई है। सोशल ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी, पारदर्शी और जनभागीदारीयुक्त बनाने के लिए ग्राम सभा में अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो।

अलवर कलैक्टर ने रैन बसेरे व अन्नपूर्णा रसोई का औचक निरीक्षण किया



अलवर केडलगज स्थित रैन बसेरे में आराम करते मिले लोगों से जिला कलैक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने फीडबैक लिया।

रैन बसेरे के साथ शौचालय की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जावे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान रैन बसेरे में आराम कर रहे व्यक्तियों से व्यवस्थाओं का भी फीडबैक लिया तो आराम कर रहे लोगों ने व्यवस्थाओं

को अच्छा बताया। जिला कलैक्टर ने वहां मौजूद लोगों को नए साल की शुभकामनाएं भी दीं। इसके उपरान्त जिला कलैक्टर ने केडलगंज रैन बसेरे के पास अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने

एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये।कलैक्टर ने वहां भोजन कर रहे व्यक्तियों से भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सीदेन सिंह नरुका सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

